# विषयानुक्रम


**प्रथम अध्याय**

**रामदरश मिश्र के उपन्यासों में राजनीतिक चेतना का स्वरूप** **13—63**

(क) समसामयिक राजनीतिक घटनाएं : प्रभाव एवं परिणतियां

(ख) पंचायती राज

(ग) सामन्तीय जीवन में विघटन

(घ) चुनाव : प्रक्रिया एवं विविध रूप—पंचायत, विधानसभा एवं संसद के चुनाव एवं विसंगतियां

(ङ) पुलिस : दमन और अत्याचार

(च) शासन और समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार

(छ) श्रमिक-मजदूर और विद्रोह-वृत्ति

**द्वितीय अध्याय**

**रामदरश मिश्र के उपन्यासों में सामाजिक चेतना का स्वरूप** **64—147**

(क) जीवन-मूल्य-संक्रमण

(1) ग्राम-जीवन में मूल्य विघटन

(2) नैतिकता के बदलते मानदण्ड

(ख) संबंधों का तनाव और विघटन

(1) वैयक्तिक संबंध (आदर्श और यथार्थ का द्वन्द्व)

(2) पारिवारिक संबंध

* संयुक्त-परिवार विघटन
* दाम्पत्य जीवन : पति-पत्नी
* माता-पिता और संतान
* अन्य पारिवारिक संबंध

(ग) नारी की विवाहजन्य व अन्य समस्याएं

(1) बाल-विवाह

(2) अनमेल-विवाह

(3) विधवा-विवाह और उसकी समस्याएं

(4) बहु-विवाह
(5) दहेज-प्रथा
(6) अंतर्जातीय विवाह या प्रेम-विवाह और उसकी समस्याएं
(घ) यौन-चेतना
(1) छोटी-बड़ी जातियों के पारस्परिक यौन-संबंध
(2) सामाजिक यौन-विकृतियां एवं विसंगतियां
(ङ) शैक्षणिक स्वरूप
(1) शिक्षा और गांव
* शिक्षा-सुविधाओं की अपर्याप्तता एवं अन्य विसंगतियां
* नारी-शिक्षा
(2) नारी-नवजागरण

**तृतीय अध्याय**

**रामदरश मिश्र के उपन्यायों में आर्थिक चेतना का स्वरूप** **148—195**

(क) गांवों की विभिन्न आर्थिक श्रेणियां
उच्च वर्ग, मध्य वर्ग एवं निम्न वर्ग
(ख) ग्रामीण वर्ग के आर्थिक संकट एवं समस्याएं
(1) जमींदारों, तहसीलदारों एवं सेठ-साहूकारों के आर्थिक शोषण का शिकार ग्रामीण वर्ग
(2) बेकारी : गांवों के विभिन्न वर्गों में व्याप्त बेकारी
(3) आर्थिक स्थिति एवं गरीबी से त्रस्त ग्रामीण वर्ग
(4) महंगाई और गांव
(5) रोजगार की तलाश में ग्रामीणों का शहर की ओर पलायन
(ग) स्वाधीन भारत में ग्रामीण आर्थिक विकास और रामदरश मिश्र के उपन्यासों में उसका अंकन
(1) ग्राम-विकास की योजनाएं
(अ) पंचवर्षीय योजनाएं और ग्राम
(ब) कुटीर-उद्योग
(स) उभरता नया वैज्ञानिक रुझान
* सिंचाई के नवीन साधन
* कृषि की नव्य वैज्ञानिक प्रविधियां
(द) चकबंदी
(2) जमींदारों की आर्थिक स्थिति एवं परम्परागत जमींदारी प्रथा का अवशेष

**चतुर्थ अध्याय**

**रामदरश मिश्र के उपन्यासों में धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना का स्वरूप** **196—253**

(क) धार्मिक स्वरूप

(1) धर्म की शक्तियां
* उदात्त जीवन-मूल्यों के प्रति विश्वास
(2) धर्म की अशक्तियां
* साम्प्रदायिकता
* भूत-प्रेत, चुड़ैल आदि की परिकल्पना एवं अन्य ग्रामीण अंधविश्वास
* भूत-प्रेत के प्रभाव को दूर करने के लिए पूजा-पाठ एवं ओझे-गुणियों में विश्वास
* अज्ञानवश पिछड़े ग्रामवासियों के मन में प्रकृति के प्रति भय व पूजा का भाव
* भौतिक स्वार्थ-पूर्ति और मनौतियां
(ख) सांस्कृतिक स्वरूप
(1) युगीन प्रभावों की परिणति
(2) सांस्कृतिक पर्व
त्यौहार, मेले, कथा-वार्ता, कीर्तन, पाठ आदि धार्मिक कृत्य
(3) लोक-तत्व व्याप्ति
* लोक-गीत
* लोक-नृत्य
* गीत-फिल्मी गीत
* भौगोलिक संदर्भ एवं प्राकृतिक सुषमा
(4) परिवर्तित सांस्कृतिक मूल्य
**उपसंहार 254—267**
**परिशिष्ट 268—272**
**परिशिष्ट-1 :**
आधार-ग्रंथ
(क) रामदरश मिश्र के उपन्यास
(ख) आत्मकथा
**परिशिष्ट-2 :**
संदर्भ-ग्रंथ (हिन्दी)
संदर्भ-ग्रंथ (अंग्रेजी)
**परिशिष्ट-3 :**
पत्र-पत्रिकाएं
**परिशिष्ट-4 :**
शब्दकोश (हिन्दी)
शब्दकोश (अंग्रेजी)